आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 13 दिसंबर,2021 से 13 जनवरी,2022 तक डीएसआईआर के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया:

तिथि	शीर्षक	संगठन
14-15 और 21 दिसंबर 2021	एमएसएमई और पीसीबी प्रोटोटाइप के लिए पीसीबी प्रिंटिंग प्रशिक्षण (14-15 और 21 दिसंबर 2021)	डीएसआईआर-सीआरटीडीएच-आईआईटी खड़गपुर
16-18 दिसंबर 2021	कोविरैप डिवाइस और कोविड -19 स्क्रीनिंग ऐप के साथ कोविद स्क्रीनिंग कार्यक्रम	डीएसआईआर-सीआरटीडीएच-आईआईटी खड़गपुर
4, 5 और 6 जनवरी 2022	विभिन्न ई-स्वास्थ्य क्लस्टर में ऑनलाइन चिकित्सा शिविर और कोविड -19 जागरूकता कार्यक्रम	डीएसआईआर-सीआरटीडीएच-आईआईटी खड़गपुर
21 दिसंबर 2021	डीएसआईआर-प्रौद्योगिकी विकास और महिलाओं के लिए उपयोग कार्यक्रम (टीडीयूपीडब्ल्यू) वित्त पोषित परियोजना के तहत साईं ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी) वाराणसी द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपशिष्ट उपयोग और पुनर्चक्रण पर एक कार्यशाला।	डीएसआईआर-टी डी यू पी डब्ल्यू वित्त पोषित परियोजना के तहत एस आई आर डी , वाराणसी
21 और 22 दिसंबर , 2021	विज्ञान और प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के माध्यम से "आत्मनिर्भर पूर्वोत्तर " पर ब्रेन स्टॉर्मिंग कॉन्क्लेव और तकनीकी मेला	डीएसआईआर-ए2के+ इवेंट प्रोग्राम के तहत एन ईसीटीएआर , गुवाहाटी
27–29 दिसंबर 2021	इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी (आईएसईईएस) द्वारा सतत ऊर्जा और पर्यावरण चुनौतियों पर VI अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (VI SEEC)	डीएसआईआर - ए2के+ इवेंट प्रोग्राम के तहत आइएसईईएस
10 जनवरी 2022	भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) और आउटरीच कार्यक्रम-ईएचएस (प्रबंधक-जीवन विज्ञान) उच्च अंत माइक्रोस्कोपी पर कार्यशाला सोने और चांदी के नैनोकणों के गीले रासायनिक संश्लेषण पर कार्यशाला	डीएसआईआर-सीआरटीडीएच-सीएसआईआर-आईआईटीआर

डीएसआईआर-सीआरटीडीएच-आईआईटी खड़गपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क . एमएसएमई और डिवाइस प्रोटोटाइप के लिए पीसीबी प्रिंटिंग प्रशिक्षण (14-15 और 21 दिसंबर, 2021)

ख .कोवि रैप डिवाइस और कोविड -19 स्क्रीनिंग ऐप के साथ कोविद स्क्रीनिंग कार्यक्रम (16 -18 दिसंबर 2021)

ग . विभिन्न ई-हेल्थ क्लस्टर में ऑनलाइन चिकित्सा शिविर और कोविड-19 जागरूकता कार्यक्रम (4, 5 और 6 जनवरी 2022)

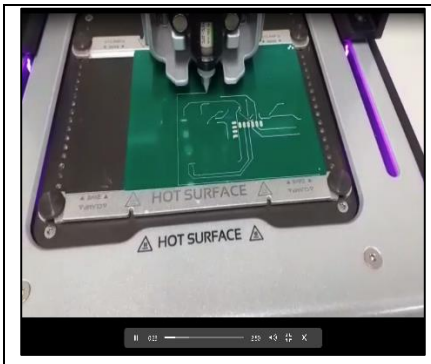

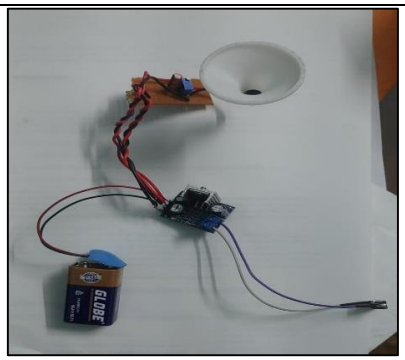

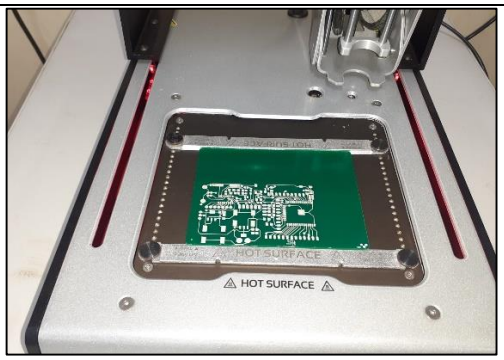

एमएसएमई को पीसीबी प्रिंटिंग प्रशिक्षण और वर्चुअल और हैंड्स-ऑन मोड में डिवाइस प्रोटोटाइप

..

चिकित्सकों द्वारा संचालित ऑनलाइन चिकित्सा शिविर एवं कोविड प्रशिक्षण कार्यशाला

दिसंबर **2021**

एमएसएमई और पीसीबी प्रोटोटाइप के लिए पीसीबी प्रिंटिंग प्रशिक्षण (14-15 और 21 दिसंबर 2021)

आईआईटी खड़गपुर में डीएसआईआर-सीआरटीडीएच टीम ने एमएसएमई के लिए पीसीबी प्रिंटिंग और प्रोटोटाइप वर्कशॉप का आयोजन किया। सात एमएसएमई ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में संगठन में भाग लिया। उन्हें सीआरटीडीएच ईडीएसएम सुविधा में पीसीबी प्रिंटर का उपयोग करने और कई उपकरणों के लिए तेजी से प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

कोवि रैप डिवाइस और कोवि रैप 19 **स्क्रीनिंग ऐप के साथ कोविद स्क्रीनिंग कार्यक्रम (**16 -18 **दिसंबर** 2021)

डीएसआईआर-सीआरटीडीएच टीम ने **कोवि रैप** डिवाइस और सीआरटीडीएच लैब में विकसित कोविड -19 स्क्रीनिंग ऐप का उपयोग करके आईआईटी खड़गपुर में आने वाले छात्रों के लिए कोविड -19 स्क्रीनिंग और डिटेक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया। कोविड स्क्रीनिंग स्कोर के आधार पर 500 से अधिक छात्रों की जांच की गई और 60 छात्रों का परीक्षण किया गया। कई स्थानीय और राष्ट्रीय मीडिया ने भी कार्यक्रम को कवर किया।

जनवरी 2022

विभिन्न ई-हेल्थ क्लस्टर में ऑनलाइन चिकित्सा शिविर और कोविड-19 **जागरूकता कार्यक्रम (**4, 5 **और** 6 **जनवरी 2022)**

कोविड-19 मामलों में अचानक वृद्धि को संबोधित करने के लिए डीएसआईआर-सीआरटीडीएच लैब ने सुंदरबन और बीरभूम में दो इनक्यूबेट्स एमएसएमई के सहयोग से कई ऑनलाइन परामर्श शिविर आयोजित किए हैं। रोगियों को डीएसआईआर-सीआरटीडीएच सुविधाओं का उपयोग करके विकसित 'उदय' सॉफ्टवेयर का उपयोग करते देखा गया। महामारी से लड़ने के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ता के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सत्यमेव जयते
DSIR
DEPARTMENT OF SCIENTIFIC AND INDUSTRIAL RESEARCH

Azadi Ka Amrit Mahotsav

SAI INSTITUTE OF RURAL DEVELOPMENT
SIRD
VARANASI

डीएसआईआर-टीडीयूपीडब्ल्यू वित्त पोषित परियोजना के तहत साई ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी), वाराणसी द्वारा आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपशिष्ट उपयोग और पुनर्चक्रण पर एक कार्यशाला

DST- SEED DIVISION
Sponsored Farmer Training Program
MICROBIAL TECHNOLOGY APPLICATION IN VEGETABLES
vivo V19
Perfect Shot

डिजिटल डिजाइनिंग लैब
कम्युनिटी वेस्ट रिसाइक्लिंग सेन्टर
vivo V19
Perfect Shot

SIRD
Institute of Rural Development
SKILLS & COMMUNICATION
FASHION SKILLS
रिसाइक्लिंग सेन्टर

BANARAS
कबाड़ से जुगाड़ कार्यक्रम
vivo V19
Perfect Shot

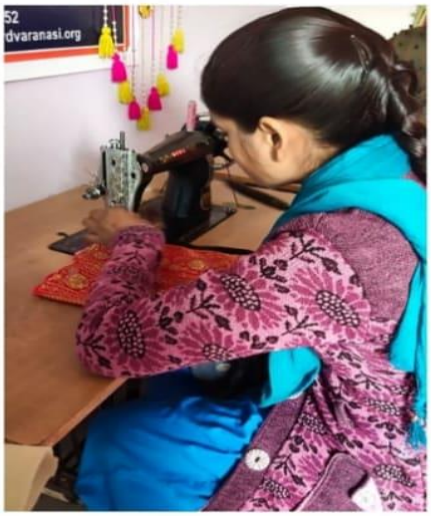

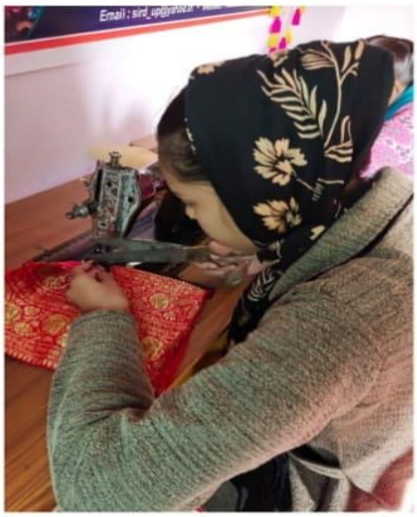

Hunar-e-Banaras
कैड टूल के माध्यम से इम्ब्रायडरी, जरी - जरदोजी डिजाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
स्थल : रुरल वीमेन टेक्नोलॉजी पार्क, बसनी, वाराणसी
प्रायोजक – वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डी.एस.आई.आर.)
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
आयोजक – साँई इंस्टिट्यूट ऑफ रुरल डेवलपमेंट, वाराणसी
सहयोगी : हुनर - ए- बनारस
Phone : 0542.2623995 Mob. 9569041552
Email : sird_up@yahoo.in • Website : www.sirdvaranasi.org

साई ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी) ने 21 दिसंबर, 2021 को ग्रामीण विकास (आरडब्ल्यूटीपी) - साई ग्रामीण विकास संस्थान, बनासी वाराणसी में "विज्ञान और प्रौद्योगिकी अपशिष्ट उपयोग" पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के महिलाओं के लिए तकनीकी विकास और उपयोगिता कार्यक्रम(टीडीयूपीडब्ल्यू) के तहत वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान (डीएसआईआर) की सहायता से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था।

कार्यशाला का आयोजन वाराणसी में किया गया था जो हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का निर्वाचन क्षेत्र है आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए ग्रामीण महिलाओं की आजीविका स्थापित करने हेतु उनकी प्रतिभा और कौशल को बढ़ावा देना,माननीय प्रधान मंत्री की दृष्टि में शहर को स्वच्छ बनाते हुए और ग्रामीण लोगों को अधिकतम रोजगार के अवसर प्रदान करते समय अपशिष्ट को उत्कृष्ट मेपरिवर्तित करना। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डी. बी शर्मा प्रो. कृषि विज्ञान संस्थान- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, माइक्रोबायोलॉजी और प्लांट पैथोलॉजी विभाग द्वारा किया गया।

एक दिवसीय कार्यक्रम में लगभग 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वेस्ट यूटिलाइजेशन लैब में कुल 5 स्टॉल लगे थे। कार्यशाला के दौरान कुल 5 सत्रों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को प्रश्नोत्तर सत्र के साथ भी चित्रित किया गया जहां प्रतिभागी ने इस विषय पर स्पष्टीकरण मांगने के लिए विशेषज्ञों के साथ विचार विमर्श किया गया था।

प्रो. शर्मा ने आज के समाज में अपशिष्ट प्रबंधन की आवश्यकता को साझा किया जहां जनसंख्या में वृद्धि से अपशिष्ट का उच्च उत्पादन होता है। इसके अतिरिक्त अपशिष्ट में वृद्धि कई लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है।

अपशिष्ट प्रबंधन कचरे का निपटान और पुनर्चक्रण करके उसका प्रबंधन है। इसके अलावा, अपशिष्ट प्रबंधन को पर्यावरणीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उचित तकनीकों की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, विभिन्न तरीके और तकनीकें हैं जिनके द्वारा कचरे का निपटान किया जाता है। उनमें से कुछ लैंडफिल, पुनर्चक्रण, खाद बनाना आदि हैं।

कार्यशाला का संचालन एसआईआरडी के निदेशक श्री अजय कुमार सिंह द्वारा किया गया, जो साईं ग्रामीण विकास संस्थान के सीईओ भी हैं, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस प्रकार की कार्यशाला के माध्यम से ग्रामीण और उप-शहरी लोगों को कचरे के उपयोग और इसके बारे में जागरूक किया जाएगा। आय के स्रोत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

उन्होंने प्रतिभागियों को अपने टीडीयूपीडब्ल्यू कार्यक्रम के तहत डीएसआईआर द्वारा वित्त पोषित एसआईआरडी की चिक सीएडी सॉफ्टवेयर परियोजना के बारे में भी बताया, जहां ग्रामीण महिलाएं बनारसी साड़ी और जरी जरदोसी की प्राचीन कला को बचाने के लिए गुणवत्तापूर्ण डिजाइनिंग बनाने की तकनीक सीखेंगी।

‘विज्ञान और प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत पर ब्रेन स्टॉर्मिंग कॉन्क्लेव' डीएसआईआर के ए 2 के + इवेंट प्रोग्राम के तहत एनईसीटीआर, गुवाहाटी द्वारा आयोजित किया गया।

एनईसीटीएआर, गुवाहाटी ने विज्ञान भारती, उन्नत भारत अभियान और काटन विश्वविद्यालय के सहयोग से गुवाहाटी असम में 21 और 22,दिसंबर, 2021 के दौरान "विजनान और प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के माध्यम से आत्मनिर्भर पूर्वोत्तर" पर दो दिवसीय ब्रेन स्टॉर्मिंग कॉन्क्लेव और तकनीकी-मेले का आयोजन किया। ए2के+ इवेंट प्रोग्राम के तहत कार्यक्रम को डीएसआईआर द्वारा वित्त पोषित किया गया था।तकनीकी मेला सहित,सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि जगदीश मुखी, असम के माननीय राज्यपाल सहित विजनान भारती के अन्य गणमान्य व्यक्तियों, सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के निदेशक, एनआरएल के प्रबंध निदेशक, उन्नत भारत अभियान, कपास विश्वविद्यालय आदि द्वारा किया गया।

लगभग 1000 प्रतिभागियों, 45 गणमान्य व्यक्तियों (ऑनलाइन/ऑफलाइन दोनों) ने दो दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया। कॉन्क्लेव के साथ आयोजित तकनीकी मेले में सीएसआईआर प्रयोगशालाओं, सरकारी संगठनों, संस्थानों, निजी उद्यमियों, एसएचजी के स्वदेशी प्रौद्योगिकियों वाले कुल 55 स्टालों का प्रदर्शन/प्रदर्शन किया कॉन्क्लेव के दौरान कुल 12 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए स्टार्टअप विचार, पूर्वोत्तर में जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने पर विचार, विज्ञान के लेंस के माध्यम से विरासत - पूर्वोत्तर के लिए प्रतियोगिता और छात्रों द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रश्नोत्तरी पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ पूर्वोत्तर के प्रतिष्ठित कारीगरों को भी सम्मानित करने सहित विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पूर्वोत्तर में आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचारों संबंधित विशेष तकनीकी सत्र- बांस और संबद्ध गतिविधियों हेतु प्रौद्योगिकी समाधान, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, भू-स्थानिक और संचार और असम में बाढ़ और कटाव जोखिम को कम करने का भी आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान बांस केबैट, चारी तबा आधारित पॉटरी आइटम, एयर आयोनाइजर, बांस

आधारित सैनिटरीवेयर जैसे उत्पादों को शुरू किया गया। पहले दिन के समापन पर काटन विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस आयोजन ने सभी हितधारकों (राज्य सरकार के अधिकारियों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, शिक्षाविदों, गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, उद्यमियों, नवप्रवर्तकों, किसानों, छात्रों आदि) को एक ही मंच पर ला दिया। समापन सत्र के दौरान, गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे स्टार्टअप आइडिया, विज्ञान लेंस के माध्यम से विरासत आदि के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए और सत्र के दौरान पुरस्कार विजेता कारीगरों को भी सम्मानित किया गया।

VI अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

डीएसआईआर के ए2के+ इवेंट प्रोग्राम के तहत वी आई एसईईसी , लखनऊ द्वारा सतत ऊर्जा और पर्यावरण चुनौतियां

(वी आई एसईईसी)

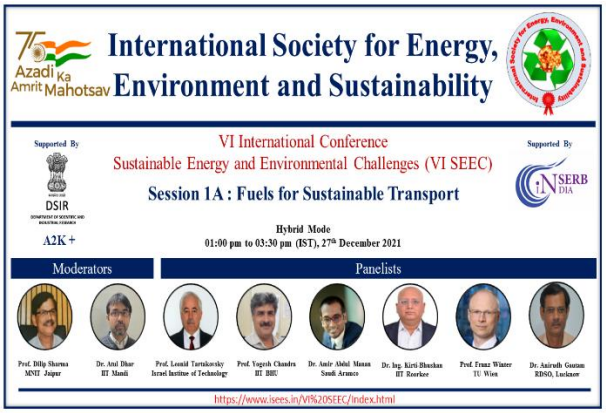

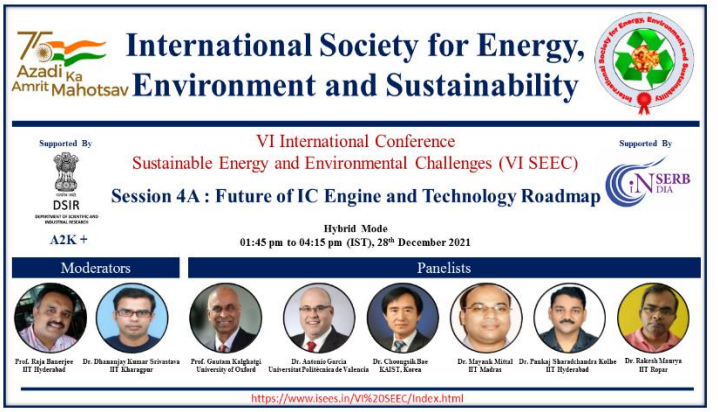

सतत ऊर्जा और पर्यावरण चुनौतियों (वीआई एसईईसी) संबंधित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन VI-आईएसईईएस (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी) द्वारा डीएसआईआर के ए2के + इवेंट प्रोग्राम के तहत सहायता प्राप्त था। सम्मेलन का उद्देश्य पूर्ण वार्ता, पैनल चर्चा और मौखिक प्रस्तुतियों जैसे वैज्ञानिक विचार-विमर्श के माध्यम से अनुसंधान और आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है। VI-एस ईईसी उभरते हुए स्थायी ऊर्जा और पर्यावरणीय मुद्दों पर चर्चा करने और चर्चा करने के लिए इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और अन्य पेशेवरों को एक साथ लाया। इसने भौतिकविदों, गणितज्ञों, रसायनज्ञों, इंजीनियरों और जीवविज्ञानियों को ऊर्जा और पर्यावरण विज्ञान के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विचार-विमर्श करने हेतु मंच प्रदान किया। ऊर्जा और पर्यावरण विज्ञान अनुसंधान को हाल के दिनों में व्यापक कृषि, औद्योगिक, नगरपालिका, परिवहन, शहरीकरण गतिविधियों और विकासशील देशों में जलवायु परिवर्तन के परिणाम के कारण उत्पन्न होने वाली प्रमुख समस्याओं को समझने में योगदान देना चाहिए। सम्मेलन का उद्देश्य ऊर्जा और पर्यावरणीय स्थिरता के व्यापक क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को बढ़ावा देना था। वीआई एसईईसी सम्मेलन को आंशिक रूप से आईएसईईएस (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी), एसईआरबी (साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड), और डीएसआईआर (वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग) द्वारा वित्तीय रूप से सहायता दिया गया था।

यह सम्मेलन 27 से 29,दिसंबर 2021 तक भौतिक और आभासी प्लेटफार्मों के माध्यम से होटल रमाडा, लखनऊ में दोनों तरह से आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन की अध्यक्षता प्रो. अशोक पांडे और प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने की । सम्मेलन के संयोजक डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. सुनीता वरजानी, श्री धनंजय कुमार, सुश्री उत्कर्ष सोनवणे थे। इस सम्मेलन में भारत और विदेशों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। VI-एसईईसी में 100 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं की भागीदारी देखी गई और लगभग ~ 100 अनुसंधान पत्रों का योगदान दिया। इस कार्यक्रम में ऊर्जा, पर्यावरण और स्थिरता चुनौतियों के सभी पहलुओं को शामिल करते हुए विभिन्न विषयों पर आधारित सम्मेलन के लिए 12 सत्रों की योजना बनाई गई थी। प्रत्येक सत्र को दो सत्र मध्यस्थों द्वारा संचालित किया गया था और इसमें प्रत्येक छह-सात पैनलिस्ट के आठ-दस अनुसंधान पत्र के योगदान थे।

VI-आईएसईईएस की शुरुआत 27 दिसंबर 2021 को दोपहर आईएसईईएस अध्यक्ष प्रो. अशोक पांडे के उद्घाटन भाषण के साथ हुई इसके बाद 4 तकनीकी सत्र हुए। 28 दिसंबर,2021 को पूर्व डीएसटी सचिव प्रो. आशुतोष शर्मा द्वारा 'नई सहस्राब्दी में विज्ञान और वैज्ञानिक: चुनौतियां और अवसर' पर एक पूर्ण वार्ता के साथ सम्मेलन सत्र शुरू हुआ, जिसके बाद शाम को चार तकनीकी सत्र और एक पुरस्कार समारोह हुआ, जिसमें युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ पीएच.डी. थीसिस पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ मास्टर थीसिस पुरस्कार प्रदान किए गए।आईएसईईएस के नए साथियों को भी सोसाइटी फेलोशिप में शामिल किया गया। इस पुरस्कार समारोह में स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित दस पुस्तकों और जेईईएस पत्रिका के एक अंक का भी विमोचन किया गया। 29 दिसंबर, 2021 को, चार तकनीकी सत्रों के बाद सत्यापन सत्र हुआ जिसमें सम्मेलन की प्रतिक्रिया और सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान करना शामिल था। समापन टिप्पणी सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने दी।

डीएसआईआर-सीआरटीडीएच-सीएसआईआर-आईआईटीआर द्वारा आयोजित कार्यक्रम

- भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) और आउटरीच कार्यक्रम
- ईएचएस (प्रबंधक-जीवन विज्ञान)
- उच्च अंत माइक्रोस्कोपी पर कार्यशाला
- सोने और चांदी के नैनोकणों के गीले रासायनिक संश्लेषण पर कार्यशाला

डीएसआईआर–**सीआरटीडीएच-सीएसआईआर** -भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-आईआईटीआर) और सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, भारत (सीएसआईआर-एनबीआरआई) ने संयुक्त रूप से विज्ञान भारती के सहयोग से 02 दिसंबर, 2021 को सीएसआईआर-आईआईटीआर परिसर में एक कर्टन रेज़र और आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन आगामी भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव-2021 की प्रस्तावना के रूप में। किया।

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव, भारत सरकार के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक पहल है।

डीएसआईआर–सीआरटीडीएच-सीएसआईआर-आईआईटीआर टीम के सदस्यों ने10-13 दिसंबर, 2021 को पश्चिमी भारतीय शहर पणजी, गोवा में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) के 7वें संस्करण में डीएसआईआर–सीआरटीडीएच सुविधा द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया।

ENVIRONMENT
INDUSTRIAL RESEARCH

CSIR-Indian Institute of Toxicology Research
सीएसआईआर - भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान
Training on-
EHS (Manager-Life Science)
इ. एच. इस. मैनेजर (जीव विज्ञान)
विषय पर प्रशिक्षण
EHS
Dr. B . Sreekanth
Er. A. H. Khan

ईएचएस (प्रबंधक-जीवन विज्ञान) पर प्रशिक्षण 30 नवंबर से 17 दिसंबर, 2021 तक आयोजित किया गया।

13 दिसंबर, 2021 को आयोजित हाई एंड माइक्रोस्कोपी (टीईएम/एसईएम) पर कार्यशाला

15 दिसंबर, 2021 को सोने और चांदी के नैनोकणों के गीले रासायनिक संश्लेषण पर कार्यशाला